# एक घंटे में लगाए दो लाख छह हजार पौधे

- मानसा के पावर प्लांट में 200 एकड़ जमीन में किया पौधरोपण
- वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाने के लिए 5800 व्यक्तियों ने किया सहयोग

मानसा के तलवंडी साबो पावर लिमिटेड में पौधरोपण करती छात्राएं।

**संदीप सिंह धामू/नानक सिंह खुरमी/सतवंत सत्ता, बठिंडा/मानसा :** मानसा जिले के गांव बनांवाला में तलवंडी साबो पावर लिमिटेड (टीएसपीएल) परिसर में हरियाली विकसित करने के लिए शुक्रवार को एक साथ तीन हजार कुदाल उठीं। इसके दो मकसद थे, पहला पर्यावरण संरक्षण के लिए पावर प्लांट में 200 एकड़ जमीन पर ग्रीन बेल्ट विकसित करना और दूसरा गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड (जीडब्ल्यूआर) में नई उपलब्धि दर्ज करवाना। इस दौरान एक घंटे में दो लाख छह हजार पौधे लगाए गए। अगर जीडब्ल्यूआर की वेरीफिकेशन रिपोर्ट में यह सब सही पाया गया, तो गांव बनांवाला विश्व के कीर्तिमान मानचित्र पर अपनी जगह बनाएगा। वहीं इससे व्हाईटमैन पार्क, पर्थ (आस्ट्रेलिया) का रिकॉर्ड भी टूटने की उम्मीद है। इसमें एक लाख 450 पौधे लगाए गए थे। टीएसपीएल परिसर में शुक्रवार सुबह 11:35 बजे गुब्बारे हवा में उड़ते ही प्लांट के सीओओ फिलिप चाको के नेतृत्व में पौधरोपण शुरू हो गया। दोपहर 12:35 बजे तक दो लाख पौधे लगाने का लक्ष्य था। अधिकांश काम आधे घंटे में पूरा कर लिया गया। एक घंटा पूरा होने तक 5800 व्यक्तियों ने 2 लाख 6 हजार पौधे लगा दिए।

**पर्यावरण संरक्षण**

टीएसपीएल जीएम (हेल्थ, सेफ्टी व एनवायरनमेंट) अविनाश कुमार ने बताया कि 200 एकड़ जमीन को पांच जोन में बांटा गया था। जमीन को समतल कर वहां पानी खड़ा करके नरम किया गया। पंजाब प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के विशेषज्ञों से राय लेकर नीम, बर्म डेक, शीशम, शहतूत जैसे स्थानीय मौसम में फलने-फूलने वाले 34 किस्मों के पौधों का चुनाव किया गया।

## 10 दिन में वर्ल्ड रिकॉर्ड का प्रमाण पत्र मिलने की संभावना

जीडब्ल्यूआर में कीर्तिमान दर्ज करवाने के लिए पौधरोपण की वेरीफिकेशन प्रक्रिया तीन चरणों में होगी। इसके वेरीफिकेशन के लिए अधिकृत कंपनी डीवीएनजीएल के सीनियर ऑडिटर रमेश राजमणि ने बताया कि पहले तीन दिनों में टीएसपीएल अपना दावा पेश करेगा। फिर डीवीएनजीएल इसकी ऑडिट कर रिपोर्ट जीडब्ल्यूआर को देगी। जीडब्ल्यूआर अपने स्तर पर वेरीफिकेशन करेगा। इसका दावा सही साबित हुआ, तो 'वर्ल्ड मैक्सिमम ट्री प्लांटेशन इन वन ऑवर' का प्रमाणपत्र जारी करेगा।

## जंगल बनने से प्राणियों को मिलेगा आसरा

पंजाब केंद्रीय विश्वविद्यालय के सेंटर फॉर एनवायरनमेंट साइंस एंड टेक्नोलॉजी के सहायक प्रो. सुनील मित्तल के अनुसार एक साथ दो लाख से ज्यादा पौधे लगने से दो वर्ष में 200 एकड़ जमीन पर जंगल विकसित हो जाएगा। इससे आसपास की हवा साफ होगी। वहीं कई प्रजातियों के जीवों को भी संरक्षण मिलेगा। इससे जैव विविधता विकसित होगी। बठिंडा के वन मंडल अधिकारी डॉ. संजीव कुमार तिवारी इसे चुनौती भी मान रहे हैं। उनके अनुसार पौधरोपण का उपयुक्त समय मानसून सीजन में जुलाई, अगस्त और मध्य सितंबर तक होता है। अक्टूबर के अंत में जिन पौधों को लगाया गया है, उनके अगले दिनों में पड़ने वाली ठंड से प्रभावित होने की आशंका है। ऐसे में पौधे पनपने पर संशय है। टीएसपीएल के मैनेजर डॉ. विशाल अग्रवाल के अनुसार पौधों की देखभाल विशेषज्ञ कंपनी करेगी। इससे इनका जीवित रहने की दर 85 फीसद से भी ज्यादा होगी।